团体标准

《成人急性中毒患者洗胃操作技术规范》（征求意见稿）编制说明

一、项目来源

根据《广西标准化协会关于下达2022年第五十四批团体标准制修订项目计划的通知》（桂标协〔2022〕121号）文件精神，由广西医科大学第一附属医院提出，广西医科大学第一附属医院、北京大学第三人民医院、广西医科大学第二附属医院、海南省人民医院、南宁市第二人民医院、柳州市人民医院共同起草的团体标准《成人急性中毒患者洗胃操作技术规范》（项目编号2022-5401）已获立项。

二、项目背景及目的意义

2017年，国家卫生计生委国家中医药局关于印发《基层医疗卫生服务能力提升年活动实施方案》（国卫办基层函〔2017〕238号）的通知中指出要加强急诊、院前急救、基层卫生应急能力建设。合理配置心电监护仪、洗胃机等急救设备和药品，改善基层急救硬件条件。完善基层医务人员基本急救技能培训制度，加强对心肺复苏、洗胃等基本急救技能的标准化培训，提升基层医务人员急救技能水平，提高对休克、急性中毒等急危重症患者初步诊断和急救处理能力。2019年，国家卫生健康委办公厅关于印发全科医生转岗培训大纲（2019年修订版）的通知（国卫办科教发〔2019〕13号）指出洗胃、催吐技术是全科医生必须掌握的基本技术。2022年，国家卫生健康委员会关于印发《“十四五”卫生健康标准化工作规划的通知》（国卫法规发〔2022〕2号）提出以标准化引领医疗卫生服务高质量发展，提高不同地区、不同医院医疗服务同质化水平。

中国卫生部发布第三次全国死因调查结果显示，城市和农村损伤和中毒是继恶性肿瘤、脑血管疾病、心脏病、呼吸系统疾病后的第五大死亡原因，占总死亡率的10.7％。2016年，中国医师协会急诊医师分会、中国毒理学会中毒与救治专业委员会颁发《急性中毒的诊断与治疗专家共识》（后称“共识”）指出，“洗胃为清除经消化道摄入毒物中毒的方法之一，在我国广泛使用。”广西区内共有77家各级医院可接诊成人急性中毒患者，近三年，收治成人急性中毒患者年均万例，其中进行洗胃的数量为每年约5 000例，急性中毒仍是急诊科主要救治病重之一，但目前尚无洗胃相关操作规范可供指导。

因此，为规范急性中毒患者洗胃操作，提升医疗卫生服务质量，制定团体标准《成人急性中毒患者洗胃操作技术规范》十分必要，这也将对急诊科护士实施标准化的培训以及对广西洗胃护理高质量、同质化的发展产生重要意义。

三、项目编制过程

**（一）成立标准编制工作组**

团体标准《成人急性中毒患者洗胃操作技术规范》项目任务下达后，由广西医科大学第一附属医院牵头组织成立了标准编制工作组，制定了标准编写方案，明确任务职责，确定工作技术路线，开展标准研制工作。具体编制工作由广西医科大学第一附属医院组成的标准编制工作组负责。编制工作组下设三个小组，分别是资料收集组、草案编写组、标准实施组。

资料收集组：负责国内关于成人急性中毒患者洗胃操作技术规范文献资料的查询、收集和整理工作，查阅现存关于成人急性中毒患者洗胃操作技术规范的研究以及国内相关标准的制定。

草案编写组：负责标准立项、征求意见、审定、报批等阶段的标准文本及编制说明的起草工作，包括标准制定过程各阶段标准文本及相关材料的修改和完善。

标准实施组：负责团体标准《成人急性中毒患者洗胃操作技术规范》标准发布后，组织相关部门、医疗机构等，开展标准宣贯培训会，对标准进行研讨和详细解读，使相关人员了解标准，熟悉标准，并能熟练运用标准；为确保标准的实施效果和综合运用率，对标准实施情况进行总结分析，对标准提出持续改进意见。

1. **收集整理文献资料**

通过资料收集组对文献资料的收集和整理，草案编写组主要参考了以下国内相关的期刊书籍。

《急危重症护理学》

《全国临床护理“三基”训练指南》

《急性中毒的诊断与治疗专家共识》

《急诊护理学》

《急性中毒临床救治》

《急性有机磷农药中毒患者标准化洗胃方案的建立及实施》

《超声监测下定位定量洗胃方法的应用价值》

《ICU监测与治疗技术》（第2版)

《内科学》（第8版）

**（三）研讨确定标准主体内容**

标准编制工作组在对收集的资料进行整理研究之后，召开了标准编制会议，对标准的整体框架结构进行了研究，并对标准的关键性内容进行了初步探讨。经过研究，标准的主体内容确定为成人急性中毒患者洗胃操作技术涉及的术语和定义、适应证与禁忌证、洗胃前评估、洗胃步骤、注意事项和并发症预防及处理等。

1. **调研，形成草案、征求意见稿**

2022年6月～7月，标准编制工作组深入到广西医科大学第一附属医院、广西医科大学第二附属医院、南宁市第二人民医院等进行实地调研工作，查阅了大量的国内文献资料，对成人急性中毒患者洗胃操作的相关文件进行系统总结。形成了标准的基本构架，对主要内容进行了讨论并对项目的工作进行了部署和安排。

2022年7月～8月，在前期工作的基础之上，通过理清逻辑脉络，整合已有参考资料中有关成人急性中毒患者洗胃操作要求，并结合广西成人急性中毒患者洗胃操作实际要求的基础上，按照简化、统一等原则编制完成团体标准《成人急性中毒患者洗胃操作技术规范》（草案）。

2022年9月，标准编制工作组组织相关主管单位、医疗机构等召开标准研讨会，收集反馈了大量意见，掌握成人急性中毒患者洗胃的基本情况以及操作要求。标准编制工作组多次召开会议，对标准草案进行了反复修改和研究讨论。最终形成了团体标准《成人急性中毒患者洗胃操作技术规范》（征求意见稿）和（征求意见稿）编制说明。

四、标准制定原则

1.实用性原则

本文件是在充分收集相关资料，分析当前现状、调研的实际情况，在现有文献中参考与成人急性中毒患者洗胃操作相关内容的基础上，结合多年经验而总结起草的。符合当前成人急性中毒患者洗胃操作工作的方向与需求，有利于行业的长远发展，具有较强的实用性和可操作性。

2.协调性原则

本文件编写过程中注意了与成人急性中毒患者洗胃操作相关法律法规的协调问题，在内容上与现行法律法规、标准协调一致。

3.规范性原则

本文件严格按照GB/T 1.1—2020《标准化工作导则 第1部分：标准化文件的结构和起草规则》的要求和规定编写本标准的内容，保证标准的编写质量。

4.前瞻性原则

本文件在兼顾当前区内成人急性中毒患者洗胃操作现实情况的同时，还考虑到了成人急性中毒患者洗胃操作快速发展的趋势和需要，在标准中体现了个别特色性、前瞻性和先进性条款，作为对开展成人急性中毒患者洗胃操作工作的指导。

1. 标准主要内容及依据来源

本标准主要章节内容为：术语和定义、适应证与禁忌证、洗胃前评估、洗胃步骤、注意事项和并发症预防及处理。标准主要内容及依据来源说明如下：

**（一）术语和定义**

**1.急性中毒 acute intoxication**

根据《急危重症护理学》确定急性中毒的定义为:毒物短时间内经皮肤、粘膜、呼吸道、消化道等途径进入人体，使机体产生一系列的病理生理变化及其临床表现。

**2.洗胃 gastric lavage**

根据《全国临床护理“三基”训练指南》确定洗胃定义为：反复注入和吸出一定量的溶液，以冲洗并排出胃内容物，减轻或避免胃部吸收毒物的方法。

1. **适应证与禁忌证**

根据区内各医疗机构在救治成人急性中毒患者的实际工作经验并结合《急性中毒的诊断与治疗专家共识》，对适应证和禁忌证进行了确定。

**1.适应证**

明确了经消化道吸收的急性中毒患者，尤其是中、重度中毒，宜在服毒后1h内洗胃；对某些毒物或有胃排空障碍的中毒患者可延长至4h～6h，对无特效解毒治疗的急性重度中毒，即使患者就诊时中毒已超过6h，仍可考虑洗胃；对于农药中毒，例如有机磷、百草枯等应及时反复洗胃。

**2.禁忌证**

明确了口服强酸、强碱及其他腐蚀剂者，食管或胃底静脉曲张、上消化道出血或穿孔者禁忌洗胃；对消化性溃疡及胃癌、近期进行过胃肠道外科手术，食管、贲门狭窄或梗阻等患者确定为谨慎洗胃，需经医护人员评估，权衡利弊后再考虑洗胃。

1. **洗胃前评估**

根据洗胃操作人员的工作实际对洗胃前评估进行了确定。首先明确了洗胃前评估的流程。其次明确了评估内容包括:患者意识、生命体征、口鼻腔粘膜以及配合程度；毒物的种类、剂量以及中毒的时间等。最后明确了根据评估结果选择相应的洗胃方式，如:意识清醒的急性中毒患者（除外腹主动脉瘤、年老体弱、休克等），若患者配合，可以选择催吐法等。

**（四）洗胃步骤**

**1.催吐法**

（1）洗胃前准备

根据洗胃操作人员的工作实际并结合广西区内各医疗机构的实际工作条件明确催吐法的洗胃前准备工作，其中参考《急诊护理学》将温开水确定为25℃～38℃为宜。

（2）操作步骤

根据实际操作以及结合《急性中毒临床救治》等教材文件明确了催吐洗胃的具体操作步骤：患者取坐位，面朝下，用手指或压舌板刺激咽后壁或舌根诱发呕吐。如未见效，再饮温开水200 mL～300 mL，然后再用上述方法刺激呕吐，如此反复进行，直至呕出澄清无味液体为止。

**２.经胃管洗胃法**

（1）洗胃前准备

依据广西医科大学第一附属医院、北京大学第三人民医院、广西医科大学第二附属医院等医疗机构多年的工作经验，明确了经胃管洗胃法的洗胃准备工作，包括操作者准备、患者准备、用物准备等要求。

（2）操作步骤

根据目前经胃管洗胃法洗胃的实际操作要求以及结合广西医科大学第一附属医院、北京大学第三人民医院、广西医科大学第二附属医院等医疗机构多年的工作经验、相关的参考资料确定。其中：

当患者取左侧卧位时，胃底处于最低位，加之幽门保护性痉挛收缩，使毒物储存于胃底部，既有利于胃管在胃底部抽吸，又减少了毒物通过幽门进入肠道。此外，左侧卧位可不依赖患者做吞咽动作，即能顺利把胃管插入胃内，一次性置管成功率高。因此明确患者取左侧卧位进行洗胃。由于昏迷患者已没有行动意识，自主无法侧躺，因此明确昏迷患者取平卧位，头偏一侧。

依据《超声监测下定位定量洗胃方法的应用价值》明确或有条件者可使用腹部超声确定胃管末端在胃体处。

由于患者口腔敏感性较弱，采取口腔置管，患者不会产生太大不舒适感及排斥感，置管效率更高；经口置管选择的洗胃管较经鼻插入的洗胃管粗、操作方便、成功率高、也可缩短洗胃时间。另外，该型号胃管因其管径较粗、硬度较大、不易变形、孔隙多，可有效避免食物残渣堵塞管腔，使洗胃短时间内顺利完成。而胃管置入深度为50cm～70cm是根据实地调研收集的临床数据进行的明确（临床数据参见附件1），临床数据表明该范围能够满足个体差异，胃大小不同的需要，使胃管充分到达胃大弯及胃底部，保证各侧孔全部在胃内，进而有利于毒物的洗出。

按照附录A选择洗胃液体，每次灌洗量宜为200mL～300mL，灌洗量过多，有导致液体从口鼻腔涌出而引起窒息的危险。依据《ICU监测与治疗技术》（第2版)明确或将胃管末端的漏斗抬高50 cm灌入200 mL～300 mL洗胃液，再将其放低倒出等量排出液；若选择机械灌洗，需将胃管连接自动洗胃机，启动机器进行灌洗。

根据广西医科大学第一附属医院的实验证明，活性炭不低于25g时，才能真正完全将胃里的毒物吸附，活性炭过量虽然不会对人体造成药物伤害，但也应合理用量，因此依据实际工作要求明确活性炭粉末为25g～50 g，根据人体胃的承载量明确白开水为200 mL，与活性炭粉末配制成活性炭混悬液，再从胃管注入，以吸附毒物，减少毒素吸收。由胃管内注入导泄药，以加速清除进入肠内的毒物等。

**（五）注意事项**

根据各医疗机构在救治成人急性重度患者的实际工作经验，对注意事项进行了确定。明确了催吐时，动作轻柔，避免损伤患者咽喉部；催吐不充分时，及时行经胃管洗胃；观察患者意识、生命体征、血氧饱和度及其他症状；患者意识进行性加重、伴无气道保护时，宜先建立气管插管等高级气道，以确保呼吸道通畅；胃管置入后应妥善固定，避免胃管置入不稳妥给患者带来不必要的伤害，降低洗胃操作的效用；洗胃过程中至少使用以下两种方法确认胃管在胃内：抽出胃液、听诊胃部气过水声、气泡试验阴性；观察排出液的颜色、性质及气味，排出液与灌入液量平衡，并做好记录。

**（六）并发症预防及处理**

根据洗胃操作人员的工作实际并参考了《内科学》（第8版），对并发症预防及处理进行了确定。明确了置入胃管过程中如遇患者剧烈呛咳、呼吸困难、面色发绀，应立即拔出胃管，待患者症状缓解后，再重新置管；持洗胃液与排出液平衡，监测血清钠，以防止患者水中毒和急性胃扩张；给予患者保暖，使用温水洗胃，以避免出现寒颤等要求。

六、国内外同类标准制修订情况及与法律法规、强制性标准关系

经查阅，目前暂无与成人急性中毒患者洗胃操作技术相关的国家标准、行业标准、地方标准。

本标准的内容与现行的法律、法规及强制性标准无冲突，标准的编写符合GB/T 1.1—2020的要求。

七、重大分歧意见的处理经过和依据

本标准研制过程中无重大分歧意见。

八、自我承诺

本标准内容与各项指标不低于强制性标准要求。

附件1 胃管深度统计数据表

团体标准《成人急性中毒患者洗胃操作技术规范》

标准编制工作组

2022年9月29日

附件1

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **胃管深度统计数据表** | | | | | | | | |
| **序号** | **姓名** | **性别** | **年龄** | **身高** | **体重** | **门齿至喷门（cm）** | **门齿至胃大弯最低处（cm）** | **门齿至幽门（cm）** |
| 1 | 患者1 | 女 | 53 | 161 | 46 | 40 | 77 | 85 |
| 2 | 患者2 | 男 | 58 | 176 | 59 | 44 | 75 | 88 |
| 3 | 患者3 | 女 | 45 | 158 | 48 | 37 | 68 | 75 |
| 4 | 患者4 | 女 | 64 | 157 | 56 | 40 | 68 | 75 |
| 5 | 患者5 | 男 | 37 | 176 | 68 | 41 | 67 | 73 |
| 6 | 患者6 | 男 | 61 | 165 | 65 | 36 | 66 | 75 |
| 7 | 患者7 | 男 | 59 | 173 | 75 | 38 | 65 | 72 |
| 8 | 患者8 | 女 | 42 | 160 | 54 | 38 | 65 | 70 |
| 9 | 患者9 | 女 | 35 | 155 | 42 | 39 | 65 | 75 |
| 10 | 患者10 | 男 | 44 | 170 | 65 | 42 | 65 | 73 |
| 11 | 患者11 | 女 | 47 | 158 | 62 | 40 | 65 | 73 |
| 12 | 患者12 | 男 | 56 | 160 | 62 | 38 | 65 | 73 |
| 13 | 患者13 | 男 | 65 | 172 | 65 | 42 | 64 | 77 |
| 14 | 患者14 | 女 | 50 | 155 | 68 | 40 | 63 | 70 |
| 15 | 患者15 | 女 | 55 | 155 | 58 | 42 | 63 | 69 |
| 16 | 患者16 | 男 | 38 | 174 | 64 | 38 | 61 | 68 |
| 17 | 患者17 | 男 | 22 | 180 | 59 | 42 | 60 | 82 |
| 18 | 患者18 | 男 | 76 | 169 | 70 | 40 | 60 | 69 |
| 19 | 患者19 | 女 | 39 | 156 | 50 | 38 | 60 | 68 |
| 20 | 患者20 | 男 | 34 | 172 | 68 | 43 | 60 | 70 |
| 21 | 患者21 | 女 | 30 | 162 | 48 | 38 | 60 | 75 |
| 22 | 患者22 | 男 | 58 | 170 | 70 | 38 | 60 | 70 |
| 23 | 患者23 | 女 | 47 | 158 | 57 | 37 | 59 | 68 |
| 24 | 患者24 | 男 | 44 | 165 | 60 | 38 | 59 | 66 |
| 25 | 患者25 | 女 | 65 | 164 | 62 | 48 | 59 | 76 |
| 26 | 患者26 | 女 | 58 | 155 | 45 | 39 | 58 | 70 |
| 27 | 患者27 | 女 | 57 | 160 | 57 | 37 | 58 | 68 |
| 28 | 患者28 | 女 | 53 | 154 | 47 | 36 | 58 | 65 |
| 29 | 患者29 | 女 | 36 | 153 | 59 | 41 | 58 | 75 |
| 30 | 患者30 | 男 | 46 | 172 | 62 | 42 | 58 | 75 |
| 31 | 患者31 | 女 | 33 | 163 | 48 | 45 | 57 | 76 |
| 32 | 患者32 | 男 | 52 | 165 | 54 | 40 | 56 | 72 |
| 33 | 患者33 | 女 | 48 | 163 | 70 | 46 | 56 | 77 |
| 34 | 患者34 | 女 | 49 | 158 | 45 | 38 | 55 | 75 |
| 35 | 患者35 | 男 | 55 | 172 | 58 | 40 | 55 | 61 |
| 36 | 患者36 | 男 | 72 | 167 | 52 | 42 | 55 | 70 |
| 37 | 患者37 | 女 | 41 | 152 | 43 | 36 | 55 | 75 |
| 38 | 患者38 | 女 | 71 | 158 | 40 | 38 | 55 | 67 |
| 39 | 患者39 | 男 | 77 | 148 | 45 | 36 | 55 | 65 |
| 40 | 患者40 | 女 | 32 | 156 | 57 | 38 | 55 | 62 |
| 41 | 患者41 | 男 | 36 | 163 | 67 | 40 | 55 | 67 |
| 42 | 患者42 | 女 | 60 | 155 | 54 | 36 | 55 | 77 |
| 43 | 患者43 | 女 | 39 | 153 | 45 | 37 | 55 | 68 |
| 44 | 患者44 | 男 | 51 | 162 | 54 | 40 | 55 | 68 |
| 45 | 患者45 | 男 | 53 | 152 | 60 | 40 | 55 | 68 |
| 46 | 患者46 | 男 | 69 | 160 | 70 | 38 | 55 | 70 |
| 47 | 患者47 | 男 | 56 | 169 | 63 | 42 | 55 | 70 |
| 48 | 患者48 | 女 | 36 | 162 | 48 | 40 | 55 | 77 |
| 49 | 患者49 | 男 | 33 | 170 | 65 | 40 | 55 | 70 |
| 50 | 患者50 | 男 | 54 | 170 | 50 | 45 | 55 | 80 |
| 51 | 患者51 | 女 | 45 | 150 | 49 | 40 | 55 | 75 |
| 52 | 患者52 | 男 | 58 | 170 | 65 | 45 | 55 | 75 |
| 53 | 患者53 | 女 | 20 | 163 | 45 | 40 | 55 | 80 |
| 54 | 患者54 | 男 | 66 | 160 | 60 | 39 | 54 | 68 |
| 55 | 患者55 | 男 | 20 | 178 | 67 | 45 | 54 | 66 |
| 56 | 患者56 | 女 | 42 | 157 | 51 | 40 | 54 | 72 |
| 57 | 患者57 | 男 | 65 | 170 | 65 | 40 | 54 | 73 |
| 58 | 患者58 | 男 | 67 | 170 | 70 | 41 | 54 | 79 |
| 59 | 患者59 | 男 | 47 | 170 | 67 | 43 | 54 | 75 |
| 60 | 患者60 | 女 | 24 | 155 | 44 | 38 | 52 | 80 |
| 61 | 患者61 | 女 | 63 | 155 | 56 | 36 | 52 | 70 |
| 62 | 患者62 | 男 | 50 | 172 | 66 | 45 | 52 | 75 |
| 63 | 患者63 | 男 | 55 | 165 | 76 | 40 | 52 | 70 |
| 64 | 患者64 | 女 | 41 | 157 | 49 | 35 | 52 | 67 |
| 65 | 患者65 | 男 | 35 | 164 | 53 | 43 | 52 | 74 |
| 66 | 患者66 | 女 | 43 | 162 | 55 | 38 | 52 | 75 |
| 67 | 患者67 | 女 | 72 | 155 | 60 | 38 | 52 | 76 |
| 68 | 患者68 | 男 | 37 | 170 | 78 | 43 | 52 | 66 |
| 69 | 患者69 | 女 | 55 | 162 | 54 | 40 | 51 | 68 |
| 70 | 患者70 | 男 | 68 | 165 | 60 | 41 | 50 | 70 |
| 71 | 患者71 | 男 | 61 | 168 | 71 | 37 | 50 | 65 |
| 72 | 患者72 | 女 | 35 | 158 | 51 | 38 | 50 | 70 |
| 73 | 患者73 | 女 | 36 | 163 | 56 | 44 | 50 | 60 |
| 74 | 患者74 | 女 | 54 | 163 | 64 | 40 | 50 | 70 |
| 75 | 患者75 | 男 | 47 | 169 | 65 | 40 | 50 | 68 |
| 76 | 患者76 | 男 | 61 | 169 | 67 | 40 | 50 | 56 |
| 77 | 患者77 | 女 | 45 | 160 | 65 | 38 | 50 | 67 |
| 78 | 患者78 | 女 | 14 | 162 | 50 | 35 | 50 | 65 |
| 79 | 患者79 | 女 | 50 | 160 | 50 | 40 | 50 | 80 |
| 80 | 患者80 | 女 | 31 | 164 | 55 | 40 | 50 | 75 |
| 81 | 患者81 | 女 | 52 | 150 | 45 | 38 | 50 | 68 |
| 82 | 患者82 | 女 | 38 | 155 | 63 | 38 | 50 | 75 |
| 83 | 患者83 | 男 | 52 | 160 | 64 | 40 | 50 | 72 |
| 84 | 患者84 | 男 | 35 | 165 | 62 | 40 | 50 | 65 |
| 85 | 患者85 | 女 | 55 | 160 | 76 | 41 | 50 | 72 |
| 86 | 患者86 | 女 | 45 | 154 | 55 | 36 | 50 | 75 |
| 87 | 患者87 | 男 | 33 | 168 | 69 | 40 | 49 | 67 |
| 88 | 患者88 | 女 | 49 | 150 | 60 | 36 | 48 | 55 |
| 89 | 患者89 | 女 | 55 | 154 | 50 | 35 | 48 | 69 |
| 90 | 患者90 | 男 | 40 | 171 | 67 | 40 | 48 | 72 |
| 91 | 患者91 | 男 | 40 | 172 | 86 | 40 | 48 | 70 |
| 92 | 患者92 | 男 | 42 | 165 | 72 | 40 | 48 | 70 |
| 93 | 患者93 | 男 | 70 | 165 | 42.5 | 37 | 48 | 70 |
| 94 | 患者94 | 女 | 59 | 150 | 42 | 38 | 48 | 78 |
| 95 | 患者95 | 女 | 47 | 163 | 63 | 38 | 48 | 60 |
| 96 | 患者96 | 女 | 53 | 158 | 70 | 37 | 48 | 65 |
| 97 | 患者97 | 女 | 44 | 163 | 53 | 40 | 48 | 77 |
| 98 | 患者98 | 女 | 60 | 157 | 51 | 37 | 48 | 69 |
| 99 | 患者99 | 男 | 35 | 163 | 58 | 40 | 48 | 66 |
| 100 | 患者100 | 女 | 65 | 165 | 65 | 36 | 48 | 72 |
| 101 | 患者101 | 女 | 53 | 160 | 42 | 35 | 48 | 70 |
| 102 | 患者102 | 男 | 80 | 166 | 55 | 35 | 48 | 65 |
| 103 | 患者103 | 男 | 35 | 170 | 70 | 38 | 48 | 71 |
| 104 | 患者104 | 女 | 50 | 158 | 52 | 36 | 48 | 66 |
| 105 | 患者105 | 男 | 54 | 169 | 65 | 40 | 47 | 70 |
| 106 | 患者106 | 女 | 59 | 155 | 61 | 38 | 47 | 68 |
| 107 | 患者107 | 男 | 42 | 160 | 57 | 37 | 46 | 74 |
| 108 | 患者108 | 男 | 51 | 160 | 60 | 38 | 46 | 70 |
| 109 | 患者109 | 女 | 49 | 155 | 48 | 38 | 46 | 68 |
| 110 | 患者110 | 女 | 61 | 155 | 67 | 36 | 45 | 65 |
| 111 | 患者111 | 女 | 58 | 158 | 56 | 40 | 45 | 68 |
| 112 | 患者112 | 男 | 51 | 167 | 74 | 42 | 45 | 70 |
| 113 | 患者113 | 女 | 80 | 158 | 72 | 35 | 45 | 70 |
| 114 | 患者114 | 女 | 50 | 148 | 60 | 35 | 45 | 71 |
| 115 | 患者115 | 女 | 56 | 155 | 66 | 35 | 45 | 65 |
| 116 | 患者116 | 男 | 57 | 164 | 55 | 40 | 45 | 75 |
| 117 | 患者117 | 男 | 39 | 169 | 70 | 35 | 45 | 68 |
| 118 | 患者118 | 女 | 18 | 155 | 54 | 35 | 45 | 60 |
| 119 | 患者119 | 女 | 46 | 155 | 45 | 36 | 45 | 75 |
| 120 | 患者120 | 女 | 52 | 158 | 52 | 38 | 45 | 75 |
| 121 | 患者121 | 女 | 54 | 158 | 45 | 40 | 45 | 70 |
| 122 | 患者122 | 女 | 58 | 155 | 50 | 37 | 45 | 65 |
| 123 | 患者123 | 男 | 54 | 170 | 66 | 39 | 45 | 67 |
| 124 | 患者124 | 男 | 32 | 167 | 48 | 41 | 44 | 55 |
| 125 | 患者125 | 女 | 41 | 150 | 44 | 35 | 44 | 65 |
| 126 | 患者126 | 男 | 65 | 150 | 57 | 35 | 44 | 63 |
| 127 | 患者127 | 女 | 48 | 160 | 47 | 36 | 44 | 67 |
| 128 | 患者128 | 女 | 58 | 155 | 58 | 35 | 44 | 66 |
| 129 | 患者129 | 女 | 54 | 153 | 55 | 38 | 44 | 68 |
| 130 | 患者130 | 女 | 37 | 158 | 53 | 35 | 43 | 62 |
| 131 | 患者131 | 男 | 63 | 165 | 69 | 40 | 42 | 70 |
| 132 | 患者132 | 女 | 33 | 150 | 53 | 35 | 42 | 65 |
| 133 | 患者133 | 女 | 49 | 155 | 56 | 35 | 42 | 70 |
| 134 | 患者134 | 男 | 71 | 165 | 62 | 38 | 40 | 60 |
| 135 | 患者135 | 女 | 37 | 160 | 55 | 35 | 40 | 70 |
| 136 | 患者136 | 男 | 55 | 160 | 70 | 38 | 40 | 70 |
| 137 | 患者137 | 男 | 43 | 178 | 96 | 38 | 40 | 68 |
| 138 | 患者138 | 男 | 74 | 165 | 49 | 38 | 40 | 70 |
| 139 | 患者139 | 女 | 51 | 150 | 47 | 35 | 40 | 52 |
| 140 | 患者140 | 男 | 27 | 171 | 66 | 40 | 40 | 67 |
| 141 | 患者141 | 女 | 52 | 158 | 60 | 34 | 40 | 69 |
| 142 | 患者142 | 女 | 79 | 145 | 42 | 36 | 39 | 60 |
| 平均值 |  |  | 49.59859155 | 161.5492958 | 58.34859155 | 38.82394366 | 51.90140845 | 70.02112676 |
| 标准差 |  |  | 13.30681275 | 7.183291906 | 9.78357157 | 2.735523473 | 7.420289903 | 5.608680784 |